2 मई 2016

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव: चरण एक

*डॉ स्तुति बैनर्जी**

आयोवा कॉकस अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की शुरुआत है। प्राइमरी में प्रवेश करने वाला यह पहला राज्य है जो दल के राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की घोषणा के साथ समाप्त होगा (ओहायो के क्लीवलैंड में 18 से 21 जुलाई के बीच रिपब्लिकन पार्टी का सम्मेलन होता है। डेमोक्रेट्स 25-28 जुलाई की तारीख को फिलाडेल्फिया, पेंसिल्वेनिया में अपना सम्मलेन आयोजित करेंगे।)।

मतदान संचालित करने के दो मुख्य तरीके हैं : एक प्राइमरी और दूसरा कॉकस। अधिकांश राज्य प्राइमरी संचालित करते हैं, जो एक आम चुनाव के समान ही होता है जहाँ मतदाता मतदान केंद्र में या पोस्ट द्वारा अपना मतदान करते हैं। कॉकस राज्य भर में संचालित होने वाली छोटी बैठकें होती हैं, जिसमें मतदान होने से पहले उम्मीदवारों के समर्थक उनके ओर से भाषण देते हैं। लगभग सभी कॉकस उन मतदाताओं तक सीमित होता है, जो पंजीकृत डेमोक्रेट या रिपब्लिकन होते हैं। लगभग आधा प्राइमरी चुनाव इसी तरह "समाप्त" होता है, जबकि बाकी "खुला" होता है ताकि कम से कम स्वतंत्र मतदाताओं - जो डेमोक्रेट्स या रिपब्लिकन के रूप में पंजीकृत नहीं हैं - भाग ले सकें। दोनों प्रकार के चुनावों के नियम अलग-अलग राज्यों और दलों के लिए भिन्न होते हैं। इस प्रक्रिया का उद्देश्य राष्ट्रीय सम्मलेन से पहले दलों को हर राज्य में उम्मीदवारों के लिए एक- एक प्रतिनिधि आवंटित करना है, जहां विजयी उम्मीदवार का नाम घोषित किया जाता है। ये होड़ प्रतिनिधियों के लिए होती है, मतों के लिए नहीं।[1] अमेरिका के प्राइमरी चुनावों का उद्देश्य नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रत्येक राज्य (और अमेरिकी क्षेत्र) के राजनीतिक दलों के लिए उनके पसंदीदा उम्मीदवार का निर्धारण करना है। प्राइमरी और कॉकस चुनाव लगभग चार महीने से अधिक समय तक चलते हैं। पर फिर भी, अमेरिकी चुनाव के इस पहले चरण को जीतने का अभियान अग्रिम रूप

से एक साल पहले ही शुरू हो जाता है, जिसमें पहला उम्मीदवार पार्टी के नामांकन के लिए अपनी बोली की घोषणा करता है।

रिपब्लिकन पार्टी का नामांकन जीतने के लिए, एक उम्मीदवार को दल के 2,472 प्रतिनिधियों में से 1,237 को अपने पक्ष में करना होता है। लगभग 60 प्रतिशत रिपब्लिकन प्रतिनिधियों का फैसला 15 मार्च तक हो जाएगा, लेकिन उम्मीदवारों को इनमें से लगभग सभी (एक बार मतदान का चौखट पार करने पर) प्रतिनिधि आनुपातिक आधार पर आवंटित किए जाएंगे। 15 मार्च के बाद, राज्य उस उम्मीदवार को अपने सभी रिपब्लिकन प्रतिनिधि आवंटित कर सकता है, जो प्राइमरी चुनाव में विजयी होता है। दो-तिहाई प्रतिनिधियों को आवंटित करने में अप्रैल तक का समय लगेगा। अतीत में, मार्च के महीने के पहले मंगलवार, सुपर ट्यूसडे[1] के बाद पसंदीदा उम्मीदवार की स्पष्ट पहचान हो जाती है, जब एक दर्जन राज्य मतदान करते हैं ,[2] लेकिन हमें पता चलता है कि केवल तीन उम्मीदवार नामांकन सुरक्षित करने के होड़ में बने रहते हैं।

डेमोक्रेटिक के प्रत्येक चुनाव में उम्मीदवारों को समानुपातिक रूप से प्रतिनिधि आवंटित किए जाते हैं, जिन्हें कम से कम 15 प्रतिशत मत प्राप्त होते हैं। अधिकांश प्रतिनिधि मतों के अनुसार एक विशेष उम्मीदवार के प्रति "प्रतिभूत" होते हैं। हर राज्य में, डेमोक्रेट्स के पास "सुपर-डेलीगेट्स" (सुपर प्रतिनिधि); पार्टी के कांग्रेसमेन, सीनेटर और पार्टी के प्रभावशाली सदस्य होते हैं, जो किसी एक उम्मीदवार के प्रति प्रतिभूत नहीं होते हैं और कड़ी चुनौती देते हुए सम्मेलन को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।[3]

पार्टियां प्रत्येक राज्य को जनसंख्या और कई अन्य कारकों के आधार पर कई प्रतिनिधि आवंटित करती हैं जो अलग-अलग राज्य के लिए अलग होता है। अधिकांश राज्यों में, उम्मीदवार प्राइमरी और कॉकस में प्राप्त मतों के आधार पर प्रतिनिधियों को जीतते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी इन्हें प्रतिभूत प्रतिनिधि; और रिपब्लिकन पार्टी बाध्य प्र तिनिधि कहते हैं। इस हिसाब- किताब में डेमोक्रेटिक अप्रतिभूत प्रतिनिधि भी शामिल हैं, जिन्हें प्रत्येक राज्य के सुपर-डेलीगेट्स, और रिपब्लिकन अनबाउंड डेलीगेट्स भी कहा जाता है । ये पार्टी के ऐसे नेता और निर्वाचित अधिकारी होते हैं जो किसी भी उम्मीदवार को चुनने के लिए स्वतंत्र होते हैं। रिपब्लिकन पार्टी के पक्ष में, तीन राज्य और दो क्षेत्र: कोलोराडो, नॉर्थ डकोटा, व्योमिंग, अमेरिकन समोआ और गुआम प्राइमरी या कॉकस मत के आधार पर प्रतिनिधि आवंटित नहीं करते हैं। इसके बजाय, उनके सभी प्रतिनिधि अनबाउंड (अबाध्य) होते हैं।[4]

इसके बावजूद, एक राज्य में अधिकतम समर्थन जीतने से एक उम्मीदवार को केवल राष्ट्रीय सम्मेलन में नामांकन जीतने में मदद नहीं मिलती ; बल्कि इससे चुनाव अभियान का वित्तपोषण भी प्रभावित होता है। एक स्पष्ट विजेता सामने आने पर, यह मान लिया जाता है कि अन्य उम्मीदवार चुनाव से

अपना नाम वापस ले लेंगे। इसके बदले में, पार्टी को चयनित उम्मीदवार को अपना समर्थन देने पर ध्यान केंद्रित करने और दानदाताओं से किसी व्यक्तिगत उम्मीदवार के अभियान के लिए निधि दान करने के बजाय राष्ट्रपति पद के लिए पार्टी के अभियान हेतु निधि दान की अनुमति मिलती है। लंबे समय तक अभियान चलने का अर्थ होगा कि, उम्मीदवारों के पास पार्टी के अभियान के दौरान अपने व्यक्तिगत चुनाव अभियानों के लिए पर्याप्त निधि नहीं है । बदले में, दानदाताओं को इसके लिए दुबारा अभियान के लिए आर्थिक सहायता देने की आवश्यकता होती है।

लंबे समय तक अभियान चलने से भविष्य में होने वाला मतदान भी प्रभावित होता है। किसी भी पार्टी के लिए एक विभाजित समर्थन आधार का मतलब है कि राष्ट्रपति चुनाव अधिक कठिन होने वाला है। यह आवश्यक नहीं है कि किसी उम्मीदवार के समर्थक पार्टी द्वारा नामांकित व्यक्ति को ही अपना मत दे। उदाहरण के लिए, यह व्यापक रूप से अनुमान लगाया जा रहा है कि , अगर पार्टी ने श्री डोनाल्ड ट्रम्प को नामांकित किया तो रिपब्लिकन पार्टी के समर्थक अपना मत बदल सकते सकते हैं या मतदान करने से इनकार भी कर सकते हैं।

उम्मीदवार

वर्तमान में दो डेमोक्रेट , मिस हि लेरी क्लिंटन और सीनेटर बर्नी सैंडर्स (डी-वरमोंट) और तीन रिपब्लिकन, श्री डोनाल्ड ट्रम्प , सीनेटर टेड क्रूज़ (आर-टेक्सास) और गवर्नर जॉन कैसिच (आर-ओहायो), जो 2016 के राष्ट्रपति पद के नामांकन के लिए अपनी-अपनी पार्टियों की तरफ से दावेदारी कर रहे हैं।

जबकि डेमोक्रेट्स की होड़ में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि एक उम्मीदवार दूसरे से आगे निकल रहा है, पर उन्हें रिपब्लिकन की तुलना में एक फायदा ये भी है कि उनके केवल दो उम्मीदवार हैं, जो चुनाव लड़ रहे हैं। मिस क्लिंटन वर्तमान में प्रतिभूत प्रतिनिधियों की संख्या और सुपर- प्रतिनिधियों के समर्थन दोनों में सीनेटर सैंडर्स से आगे चल रही हैं । मिस क्लिंटन को 1,930 प्रतिनिधियों (502 सुपर-प्रतिनिधियों समेत) का समर्थन हासिल है जबकि सीनेटर सैंडर्स को 1,189 प्रतिनिधियों (38 सुपर-प्रतिनिधियों समेत) का समर्थन प्राप्त है। जुलाई में नामांकन जीत ने के लिए दोनों उम्मीदवारों को 2383 प्रतिनिधियों के समर्थन की आवश्यकता होगी। हालांकि, सीनेटर सैंडर्स ने घोषणा की है कि वे इस होड़ से पीछे नहीं हटने वाले हैं।

सीनेटर सैंडर का चुनाव अभियान, जिसने हाल ही में एक के बाद एक लगातार सात प्राइमरी में जीत हासिल की थी पर बाद में न्यूयॉर्क राज्य के प्राइमरी में मिस क्लिंटन से पराजित हुए थे, प्रतिभूत प्रतिनिधियों की संख्या की रिक्ति को भरने में सफल रहा था। उनका ये अभियान पेन्सिलवेनिया, रोड आइलैंड, कनेक्टिकट, डेलवेयर और मैरीलैंड की प्राइमरी जीतने की दिशा में काम कर रहा है । अगर

उनमें जीत हासिल होती है तो सीनेटर सैंडर्स और मिस क्लिंटन के बीच प्रतिभूत प्रतिनिधियों की दूरी और भी कम हो जाएगी । इससे सीनेटर सैंडर्स को उन सुपर- डेलीगेट्स को जीतने में मदद मिलेगी जिनका मत अब भी बाकी है और जुलाई में होने वाले सम्मेलन में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

रिपब्लिकन के लिए , उम्मीदवारों की संख्या भी काफी हद तक कम हुई है , जहाँ बारह उम्मीदवारों के क्षेत्र से सिर्फ तीन उम्मीदवार शेष बचे हैं। पार्टी के प्रमुख उम्मीदवार श्री ट्रम्प हैं , जो अधिकतर राज्यों में प्राइमरी जीतने में सक्षम रहे हैं। लीडर बोर्ड में उनके बाद सीनेटर क्रूज़ और गवर्नर कासिच हैं। पार्टी को डर है कि श्री ट्रम्प और सीनेटर क्रूज़ अ प्रवासन, धार्मिक और अन्य अल्पसंख्यकों के अधिकारों , अन्य देशों के साथ व्यापार संधियों , आदि जैसे मुद्दों पर अपने विवादास्पद रुख के कारण राष्ट्रीय चुनाव नहीं जीत पाएंगे। श्री ट्रम्प के समर्थन को लेकर रिपब्लिकन पार्टी में मतभेद बढ़ रहे हैं । प्राइमरी की अवधि के दौरान, यह स्पष्ट हो गया है कि श्री ट्रम्प और सीनेटर क्रूज़ में से कोई भी एक संस्थापित उम्मीदवार नहीं है। हालांकि, उन दोनों में से, सीनेटर क्रूज़ को एक ऐसे उम्मीदवार के रूप में देखा जाता है , जो नवंबर में होने वाले कॉकस में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के खिलाफ रिपब्लिकन विचारधारा का प्रतिनिधित्व करने में बेहतर साबित होंगे। जिस तरह से कोलोराडो राज्य में प्रतिनिधियों ने सीनेटर क्रूज़ के प्रति अपनी प्रतिबद्धता ली थी , श्री ट्रम्प ने उसकी आलोचना की। उन्होंने अपने विचारों को भी व्यक्त किया कि यदि एक लोकप्रिय उम्मीदवार होने पर भी, उन्हें नहीं चुना जाता है, तो सड़कों पर दंगे हो सकते हैं।

यदि कोई एक उम्मीदवार उभर कर सामने नहीं आता है, तो सम्मेलन में एक तथाकथित "ब्रोकर्ड या कांटेस्टेड सम्मेलन" हो सकता है। ब्रोकर्ड सम्मेलन तब होता है जब नामांकन सुरक्षित करने के लिए प्राइमरी और कॉकस के दौरान पर्याप्त संख्या में प्रतिनिधियों को जीत कर राष्ट्रपति पद का कोई भी उम्मीदवार अपनी पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रवेश नहीं करता है। नतीजतन, कोई भी उम्मीदवार पहले मतदान पर नामांकन जीतने में सक्षम नहीं होता है। तब नामांकन पर पहुँचने के लिए पार्टी के प्रतिनिधियों को कई दौर में मतदान करना पड़ता है।

मुद्दें

चुनाव अभियान के संबंध में टीवी पर दिखाए जाने वाले तर्क- वितर्कों में जो मुद्दें उठाए जा रहे हैं और जिन मुद्दों पर उम्मीदवार बोलना चाहते हैं, वो मुद्दे व्यापक रूप से, घरेलू राजनीति के मामले हैं। उम्मीदवारों द्वारा उल्लिखित विदेश नीति के मुद्दे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की दिशा में नीतियों, मेक्सिको, ईरान के साथ संबंधों और चीन के साथ व्यापार नीति के मुद्दे हैं। इसके बावजूद, घरेलू राजनीतिक स्थिति पर इनके प्रभाव को देखते हुए इन सभी मुद्दों पर चर्चा की गई है, जैसे कि आसान वीजा नीति जिसका आलोचना की गई है क्योंकि आतंकवादी इसमें अपनी इच्छा अनुसार हेर-फेर कर सकते हैं (जैसे कि सैन बर्नार्डिनो की गोलीबारी) और अप्रवासी अमेरिका में रहने के लिए

इसका दुरुपयोग करते हैं; सीमाओं से घुसपैठ करने की संभावना जिससे गैर-कानूनी अप्रवासन होता है (मेक्सिको के साथ दक्षिणी सीमा में); और यह सुनिश्चित करना कि व्यापार नीतियों (जैसे कि चीन के साथ) की दुबारा बातचीत करके अमेरिका में रोजगार का सृजन हो या बना रहे।

तत्काल के चुनावों में चार महत्वपूर्ण घरेलु मुद्दे निम्न प्रकार से हैं:-

1. अर्थव्यवस्था - अर्थव्यवस्था का मुद्दा लंबे समय से राष्ट्रपति चुनाव अभियान पर हावी रही है, जिसकी वजह से दोनों पार्टियों के प्रमुख उम्मीदवार कर कटौती करने और मध्यम वर्ग पर लक्षित कार्यक्रमों में निवेश करने, एक प्रतिशत धनी आबादी के लिए कर बढ़ाने और 'वॉल स्ट्रीट' में सुधार करने के मुद्दों को अपनाते हैं। हालांकि यह मानना उचित होगा कि संयुक्त राज्य अमेरिका मंदी के दौर से उभरा है, लेकिन कुछ ऐसे आर्थिक संकेतक हैं जो बताते हैं कि आवास बाजार में सुधार जारी है, छंटनी कम हुई है और उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ा है, जो यह सुझाव देता है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की सतर्कता के बावजूद कई अमेरिकी लोग अर्थव्यवस्था को लेकर बेहतर महसूस कर रहे हैं। अमेरिकी लोग अर्थव्यवस्था में वृद्धि से खुश हैं; पर फिर भी, मतदाता धनराशी को बराबर बांटने की मांग कर रहे हैं। वे सेवानिवृत्ति निधि के निर्माण के संबंध में दीर्घकालिक संभावनाओं , छात्र ऋण, और शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा की बढ़ती लागत को लेकर चिंतित हैं। कई अमेरिकियों के लिए मेहनताना एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। जहाँ देश हालातों से उभरते हुए रोजगार पैदा कर रहा है, वहीं वास्तव में कहा जाए तो मेहनताने में मुश्किल से कोई वृद्धि हुई है । कांग्रेस की एक गैर-पक्षपातपूर्ण अनुसंधान निकाय, कांग्रेस बजट कार्यालय ने कहा है कि अगर न्यूनतम मेहनताना $10.10 प्रति घंटा बढ़ा दिया गया , तो इससे आधी मिलियन नौकरियां खतरे में पड़ सकती है , लेकिन इसकी वजह से लगभग एक मिलियन अमेरिकियों को गरीबी से राहत भी मिलेगी।

2. अप्रवासन - उम्मीदवारों के भाषणों के दौरान अप्रवासन का मुद्दा लगातार सामने आया है। यह विभिन्न कारणों से मतदाताओं के लिए चिंता का विषय है। पार्टी की विचारधारा के आधार पर, रिपब्लिकन उम्मीदवारों ने अधिक नियंत्रित अप्रवासन कार्यक्रम और सीमा सुरक्षा बढ़ाने के प्रति समर्थन व्यक्त किया है, जबकि डेमोक्रेट उम्मीदवारों ने संयुक्त राज्य में रहने वाले अवैध/ अनिर्दिष्ट प्रवासियों के मुद्दे को संबोधित करने की आवश्यकता पर बल दिया है। वे यह भी सुनिश्चित करना चाहते हैं कि अवैध अप्रवासन को हतोत्साहित करने के लिए सीमाएं सुरक्षित रहें। राष्ट्रपति पद की होड़ में सबसे आगे चलने वाले रिपब्लिकन फ्रंट के डोनल्ड ट्रंप ने इसे अपना विशेष मुद्दा बना लिया है, और इसे अर्थव्यवस्था में आई सामान्य गिरावट और आतंकवाद की समस्या के साथ जोड़ रहे हैं।

कानूनी अप्रवासन के मुद्दे पर भी, दोनों पक्षों के अलग-अलग विचार हैं। रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों ने कहा है कि उनकी अध्यक्षता में , वीजा नीति को और अधिक कठोर बनाया जाएगा, ताकि आतंकवादी संयुक्त राज्य में प्रवेश करने और रहने के लिए प्रणाली की खामियों का उपयोग ना कर सकें। उन्होंने ऐसे 'मुस्लिम' शरणार्थियों को स्वीकार करने पर सुरक्षा चिंता व्यक्त की है, जो मध्य पूर्व में व्याप्त अशांति से भाग रहे हैं। उन्होंने इस बारे में अपना दृष्टिकोण भी व्यक्त किया कि कैसे अमेरिकी कंपनियां विदेशी श्रमिकों को लाने के बजाय अमेरिकी नागरिकों को भर्ती करने के लिए प्रेरित होंगी । डेमोक्रेटिक पार्टी ने कहा है संघर्ष या उत्पीड़न से भाग रहे किसी भी व्यक्ति को शरण देने के लिए धर्म रूपक आधार का सहारा नहीं लिया जाएगा। उन्होंने बल देकर कहा कि जहाँ नौकरियों बनाने की आवश्यकता है, वहीं प्रवासी श्रमिक संयुक्त राज्य अमेरिका की विविधता और रचनात्मक शक्ति का एक प्रमुख कारण भी हैं।

3. बंदूकों का नियंत्रण - कॉलेज परिसरों में लोगों द्वारा गोलीबारी की कई घटनाओं को देखते हुए, सैन बर्नार्डिनो हमलों के बाद भी राजनीतिक हिंसा में बंदूकी हिंसा को जगह मिलती रही है। इस मुद्दे पर दोनों पक्षों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों में स्पष्ट अंतर नज़र आता है। रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार बंदूकों का स्वामित्व बनाए रखने का वादा करते हैं, जबकि श्री ट्रम्प और श्री जेब बुश जैसे कुछ रिपब्लिकन का कहना है कि सामूहिक गोलीबारी को रोकना मुश्किल होगा और इसे उन नागरिकों के खिलाफ नहीं देखना चाहिए जिनके पास बंदूक रखने का एक वैध कारण है , और देश के संविधान द्वारा दिया गया अधिकार भी है। डेमोक्रेटिक उम्मीदवार सामूहिक गोलीबारी को रोकने के लिए अधिक विनियमन लागू करने और बंदूकों के निरीक्षण का वादा कर रहे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के दोनों उम्मीदवारों को लगता है कि हथियार रखने से पहले लोगों की पृष्ठभूमि की जाँच करना अनिवार्य होना चाहिए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता का भी समर्थन किया है कि ऐसे कानून बनाए जाने चाहिए कि जिन लोगों का आपराधिक इतिहास, मानसिक बीमारी और हिंसा पूर्ण अतीत रहा है, उन्हें बंदूक रखने की अनुमति नहीं दी जाए।

4. स्वास्थ्य सेवा - इन चुनावों में स्वास्थ्य सेवा एक प्रमुख ध्यान क्षेत्र बन गया है, खासकर तब जब संयुक्त राज्य अमेरिका में दिग्गजों को प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता और लागत पर सवाल उठाए गए थे। संयुक्त राज्य अमेरिका में स्वास्थ्य सेवा की लागत यूरोप की तुलना में कही अधिक है। इस उच्च लागत का असर यह है कि बड़ी संख्या में लोग, विशेष रूप से गरीब, स्वास्थ्य सेवा लागत को कवर करने के लिए जरूरी बीमा का खर्च नहीं उठा पाते हैं। इस अंतर को घटाने के लिए राष्ट्रपति ओबामा ने सस्ती स्वास्थ्य सेवा अधिनियम या ओबामाकेयर का शुभारंभ किया था। यह सबसे गरीब अमेरिकियों को बीमा

प्रदान करने के लिए था ताकि वे एक डॉक्टर से चिकित्सा करवाने और दवा खरीदने में सक्षम हो सके। रिपब्लिकन पार्टी और उसके उम्मीदवारों ने ओबामाकेयर की व्यवहार्यता पर सवाल उठाया और इसे निरस्त करके एक ऐसी योजना लाने की प्रतिज्ञा की है जो अधिक बाजार प्रतिस्पर्धी होगा। उनका दावा है कि इससे मूल्य बना रहेगा और नई दवा के अनुसंधान और विकास पर व्यय बढ़ाने के लिए दवा कंपनियों को भी अधिक से अधिक बल देना होगा । डेमोक्रेट्स स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बढ़ाने के बारे में अधिक चिंतित हैं , और जहाँ मिस क्लिंटन ने ओबामाकेयर की पहुंच को अधिक लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लिया है , वहीं सीनेटर सैंडर्स ने एक नई स्वास्थ्य सेवा योजना प्रस्तुत की है। बहरहाल, कुछ विश्लेषकों को जिस बात की चिंता है वो है अधिनियम को निरस्त करने या इसे ब दलने में आने वाली लागत। उनका कहना है कि यह संयुक्त राज्य अमेरिका के बढ़ते संघी य ऋण पर एक अतिरिक्त बोझ होगा।

उपरोक्त के अलावा, उम्मीदवारों ने विदेश नीति के कुछ मुद्दों पर भी अभियान चलाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में विदेश नीति प्रमुख भूमिका नहीं निभाती है क्योंकि मतदान घरेलू मुद्दों की नीतियों पर निर्भर करते हैं, सबसे महत्वपूर्ण रूप से, अर्थव्यवस्था और रोजगार के मुद्दों पर। विदेश नीति या अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों का उल्लेख अभियानों में किया जाता रहा है, चाहे सामान्य अर्थों में या किसी विशिष्ट देश या क्षेत्र का संदर्भ देकर किया जाए। इनमें से अधिकांश मुद्दे विदेशी आर्थिक नीति (जैसे कि मुक्त व्यापार, मुद्रा नीति, या विदेशी सहायता) या राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों (जैसे कि सैन्य तैयारी, परमाणु प्रसार, संकट कूटनीति, और जिसे "मातृभूमि सुरक्षा" के मुद्दे कहा जाता है, जैसे कि आतंकवाद, हालांकि आतंकवाद 9/11 के बाद से चिंता का मुख्य विषय रही है) के वर्ग के अधीन आते हैं।[5] इन चुनावों में भी , इन मुद्दों का उल्लेख किया गया है क्योंकि ये मतदाताओं के घरेलु समस्याओं से सीधे-सीधे जुड़ा हुआ है। विदेश नीति के मुद्दों में, जनता ने आतंकवाद के मुद्दे को महत्व दिया है। लोग आर्थिक मुद्दों के साथ- साथ राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को इस चुनावी वर्ष में देश में सामना की जा रही सबसे बड़ी चुनौती के रूप में देखते हैं।

ये सब शायद इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए है कि सभी उम्मीदवारों के बीच जो मुख्य कड़ी है, वो संयुक्त राज्य अमेरिका की एक शक्तिशाली छवि प्रस्तुत करने पर बल दे ती है। उन सब ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। जहाँ रिपब्लिकन उम्मीदवारों ने ईरान-अमेरिका परमाणु समझौते पर अपना असंतोष जताया , वहीं डेमोक्रेट उम्मीदवारों ने कहा है कि वे इस समझौते का समर्थन करते रहेंगे। शरणार्थियों के संकट पर, श्री ट्रम्प द्वारा दिया गया सबसे विवादास्पद बयान ये है कि उन्होंने कहा कि शरणार्थियों को संयुक्त राज्य अमेरिका में आने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने आगे ये भी कहा कि मुसलमानों और लातीनी समुदाय के लोगों को भी प्रवेश से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए क्योंकि वे संयुक्त राज्य

अमेरिका के लिए खतरा हैं। सीनेटर क्रूज़ ने कहा कि केवल ईसाई शरणार्थियों को प्रवेश करने की अनुमति दी जानी चाहिए क्योंकि 'ईसाईयों से उन्हें कोई खतरा नहीं है'। उन्होंने आगे कहा कि अगर कुछ ऐसे सीरियाई मुस्लिम हैं, जिन्हें वास्तव में सताया जा रहा है , तो उन्हें *"बहुसंख्यक-मुस्लिम"* देशों में भेज दिया जाना चाहिए। ये टिप्पणियाँ मध्य पूर्व में संयुक्त राज्य अमेरिका के सहयोगियों में चिंता का विषय बन गया है।

डेमोक्रेट पार्टी के दोनों उम्मीदवारों द्वारा श्री ट्रम्प और सीनेटर क्रूज़ के विचारों की कड़ी निंदा की गई है। मिस क्लिंटन और सीनेटर सैंडर ने स्पष्ट किया कि वीज़ा कानूनों में मौजूद उन खामियों को दूर करने की आवश्यकता है, जिनका फायदा उठाकर आतंकवादी संयुक्त राज्य में घुसते और रहते हैं, लेकिन लोगों को शरणार्थी का दर्जा देने में धर्म आधारित पक्षपात करना संविधान के खिलाफ होगा। डेमोक्रेट उम्मीदवारों ने इस मुद्दे को संबोधित करने के साथ- साथ मध्य पूर्व की समस्या का समाधान तलाशने की आवश्यकता का स्वागत किया। पैरिस में हुए भयावह आतंकवादी हमलों के बाद इस मुद्दे को बहुत हवा मिली और लोगों के मन में ये डर बैठ गया है कि संयुक्त राज्य आईएसआईएल का अगला निशाना हो सकता है। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के क्षेत्रों के आंकलन ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर मतदाताओं की चिंताओं को बढ़ा दिया है । घरेलू नीति से जुड़े अन्य विदेशी संबंध मुद्दों में चीन के साथ संबंध का मुद्दा शामिल हैं। रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों ने विचार व्यक्त किया है कि चीन और अन्य देशों के साथ विभिन्न व्यापार समझौतों पर पुनः विचार करने की आवश्यकता है। वे बताते हैं कि इन व्यापार समझौतों के कारण उन स्थानों में अधिक रोजगार अंतरित हो रहे हैं जहाँ श्रम का मोल सस्ता है। वे कहते हैं कि वे दुबारा बातचीत करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि अमेरिकी कंपनियां नौकरियों को स्थानांतरित न करें। ईरान परमाणु समझौते पर भी विचार व्यक्त किए गए हैं ; यहाँ फिर से, रिपब्लिकन उम्मीदवारों ने कहा कि अगर वे राष्ट्रपति बने तो इस सौदे को खारिज कर देंगे।

निष्कर्ष

यह याद रखना होगा कि जहाँ बड़ी ही प्रत्याशा के साथ पूरी दुनिया की नज़र अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों पर टिकी हुई है, पर यह अनिवार्य रूप से एक घरेलू चुनाव है जिसमें नागरिक अपने शासनाध्यक्ष का चुनाव कर रहे हैं। इसलिए, प्राइमरी चरणों तक, लोगों की घरेलू समस्याएँ हावी होंगी। दोनों पक्षों द्वारा अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा करने और राष्ट्रपति चुनाव की बहस के दौरान विदेश नीति पर कुछ टिप्पणियों सुनने की उम्मीद की जा सकती है , जिसमें उम्मीदवार विभिन्न मुद्दों पर अपना-अपना रुख स्पष्ट करते हैं। बहरहाल, यह पूर्वानुम नहीं लगाया जा सकता कि क्या अंतर्राष्ट्रीय मुद्दें, खासकर आतंकवाद और संयुक्त राज्य की सैन्य संलग्नता की संभावना मतदाताओं के लिए एक प्रमुख मुद्दा होगा या नहीं । परिस्थितियां बदल सकती हैं जो मतदाताओं को आर्थि क मुद्दों पर बल देने के लिए मजबूर कर सकती हैं ; देश में हुई आतंकवादी घटना उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा

पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर कर सकती है ; या रूस या चीन के साथ घटने वाले प्रतिकूल घटनाक्रम उन्हें अलग तरह से प्रभावित भी कर सकते हैं।

***

संलग्नक 1

उम्मीदवारों के अभियान वेबसाइट पर (कुछ प्रमुख मुद्दों पर) कथित बातों का विस्तृत सारांश।

मुद्दे	उम्मीदवार	नीति का रुख
द्वितीय संशोधन (अमेरिकी नागरिकों, लोगों को शस्त्र रखने और धारण करने की अनुमति देता है, राज्य जिसका उल्लंघन नहीं करेगा)	सीनेटर टेड क्रूज़ (आर)	द्वितीय संशोधन का समर्थन करते हैं और कानून के पालन करने वाले अमेरिकियों के द्वितीय संशोधन अधिकारों को प्रतिबंधित करने के प्रति कांग्रेस के कानून के खिलाफ जंग छेड़ी है। नागरिकों के द्वितीय संशोधन अधिकारों को सशक्त बनाने और अंतर-राज्यीय आग्नेयास्त्रों की बिक्री की अनुमति देने के लिए कानून बनाना। उन्होंने कहा है कि , ".... क्योंकि कट्टरपंथी इस्लामिक आतंकवादी हमारी धरती पर ही अमेरिकियों पर हमला करना चाहते हैं , हमारे परिवारों और समुदायों की सुरक्षा के लिए अमेरिकियों का अधिकार हमारी सुरक्षा और स्वतंत्रता के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं।"
	श्री डोनाल्ड ट्रम्प (आर)	शस्त्र धारण करने के नागरिकों के अधिकारों का समर्थन करते हैं। वे चाहते हैं कि सरकार हिंसक अपराधियों पर मुकदमा चलाए, लेकिन वैध मालिकों को दंडित न करे। वे इस विचार का समर्थन करते हैं कि अपराध से लड़ने का एक अन्य महत्वपूर्ण तरीका है - कानून का पालन करने वाले बंदूक धारियों को खुद का बचाव करने के लिए सशक्त बनाना। कानून प्रवर्तन महान है , वे एक जबरदस्त काम करते हैं, लेकिन वे हर समय हर जगह मौजूद नहीं हो सकते। अपनी सुरक्षा करना अंततः नागरिकों की जिम्मेदारी होती है।
	गवर्नर जॉन कासिच (आर)	द्वितीय संशोधन का समर्थन करते हैं। राज्यपाल होने के नाते, इस बुनियादी, संवैधानिक अधिकार की रक्षा के लिए हर द्वितीय-संशोधन के विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं।
	मिस हिलेरी क्लिंटन (डी)	बंदूक की हिंसा को संबोधित करने के लिए समझदा री सहित कार्रवाई करने का समर्थन करती हैं, जिसमें विस्तृत पृष्ठभूमि जांच, अवैध बंदूक तस्करों पर नकेल कसना , डीलरों और

		निर्माताओं को जिम्मेदार ठहराना , और घरेलू नशेड़ी और पीछा करने वालों के हाथों में बंदूकें ना देना शामिल है।
	सीनेटर बर्नी सैंडर्स (डी वरमोंट)	अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर इस मुद्दे को सूचीबद्ध नहीं किया था। वे एक ऐसे राज्य का प्रतिनिधित्व करते हैं जहाँ बहुत कम बंदूक नियंत्रण मानदंड और उच्च बंदूक स्वामित्व है। उन्होंने द्वितीय संशोधन को रोकने के खिलाफ मतदान किया है , लेकिन लोकतांत्रिक पार्टी की बहसों में, उन्होंने पृष्ठभूमि की जाँच सहित मामूली नियंत्रण रखने का हवाला दिया। यह भी सुनिश्चित करना चाहते हैं कि शिकार के लिए इस्तेमाल की जाने वाली बंदूकों को बेचा जाए न कि ऐसी बंदूकें जो लोगों को मारने के लिए उपयोग किए जाते हैं।
स्वास्थ्य सेवा	सीनेटर क्रूज़	निर्वाचित होने पर , वे ओबामाकेयर को निरस्त करेंगे और इसके बदले एक ऐसी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली लाएंगे जो सस्ती होगी और बाजार में प्रतिस्पर्धा का विस्तार करेगी। उन्होंने अपनी योजना को हेल्थ केयर चॉइस प्लान का नाम दिया , जो सभी राज्य के लोगों को स्वास्थ्य देखभा ल योजना खरीदने की सुविधा प्रदान देगा।
	श्री ट्रम्प	उन्होंने ओबामाकेयर को निरस्त करने और एक ऐसी स्वास्थ्य सेवा से बदलने की प्रतिज्ञा की है जो अधिक बाजार प्रतिस्पर्धी होगी । उन्होंने अभी तक ऐसी किसी विशिष्ट रूपरेखा को सार्वजनिक नहीं किया है कि वे स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को कैसे बेहतर बनाएंगे।
	गवर्नर कासिच	ओबामाकेयर को निरस्त करेंगे और इसके बदले अच्छी स्वास्थ्य सेवा योजना लाएंगे। वे इसे ओहायो में अपनाए जा रहे स्वास्थ्य सेवा मॉडल से बदल देंगे। ओहायो अपने मेडिक-एड सिस्टम के माध्यम से रोगी केंद्रित प्राथमिक दे खभाल प्रथाओं को प्रोत्साहित करने के लिए काम कर रहा है जो लोगों को स्वस्थ रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता है और जिससे लागत को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। इस तरह अर्जित बचत परिवर्जित लागत के रूप में , आंशिक रूप से, स्वास्थ्य बीमा योजना में योगदान देगा।

	मिस क्लिंटन	ओबामाकेयर का समर्थन करती हैं। उन्होंने प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल तक महिलाओं की पहुंच का समर्थन करने और सुरक्षा देने का भी वादा किया है। और लिखी गई दवाओं की कीमत घटाना।
	सीनेटर सैंडर्स	उन्होंने एकल भुगतानकर्ता स्वास्थ्य देखभाल योजना का प्रस्ताव दिया है। वे एक संयुक्त रूप से प्रशासित एकल-भुगतानकर्ता स्वास्थ्य देखभाल योजना बनाएंगे , जो सभी अमेरिकियों के लिए व्यापक कवरेज प्रदान करेगा। योजना के अधीन, अमेरिकी लोग स्वतंत्रता और सुरक्षा का लाभ उठा सकेंगे, जो स्वास्थ्य बीमा को रोजगार से अलग करके प्राप्त किया जा सकता है।
अप्रवासन	सीनेटर क्रूज़	तीन चरणों का प्रस्ताव दिया है: पहला, हमेशा के लिए सभी सीमाओं को सुरक्षित करना। कोई अन्य सुधार सार्थक नहीं होगा यदि हम भेद्य दक्षिणी सीमा को सुरक्षित नहीं करते हैं। एक दीवार बनाकर और सीमा रक्षकों की संख्या में वृद्धि; प्रवेश के सभी मार्गों पर चौकसी बढ़ाकर और बॉयोमीट्रिक ट्रैकिंग प्रणाली का प्रयोग करके ऐसा किया जाएगा। दूसरा, हमारी मौजूदा अप्रवासन कानूनों को मजबूत बनाया और लागू किया जाएगा। हमें राष्ट्रपति ओबामा की प्रवर्तन "प्राथमिकताओं" को हटाना चाहिए, जो बड़ी संख्या में विदेशी अपराधियों को संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध रूप से रहने की अनुमति देता है। तीसरा, कानूनी अप्रवासन प्रणाली में सुधारों को बढ़ा वा देना जो अमेरिकियों के हित और कल्याण को प्राथमिकता देगा। उत्पीड़न से भाग रहे और स्वतंत्रता चाहने वाले लोगों द्वारा निर्मित राष्ट्र होने के नाते , हमें एक बार फिर कानूनी आप्रवासियों का स्वागत करना और जश्न मनाना चाहिए और इसके साथ ही अमेरिकी लोगों के रोजगार और हित की रक्षा भी करनी चाहिए।

	श्री ट्रम्प	उनके वास्तविक अप्रवासन सुधार के तीन मुख्य सिद्धांत हैं: 1. बिना सीमा ओं वाला कोई देश एक राष्ट्र नहीं होता । दक्षिणी सीमा पर एक दीवार होनी चाहिए। अवैध मजदूरी से प्राप्त सभी प्रेषण भुगतानों को लागू करके , मैक्सिको से दीवार बनवाने का व्यय वसूलना ; मैक्सिकन सीईओ और राजनयिकों को जारी किए गए सभी अस्थायी वीजा पर लगने वाले शुल्क में वृ द्धि, सभी सीमा पार करने के कार्डों पर लगने वाले शुल्क में वृद्धि , मेक्सिको से सभी नाफ्टा कार्यकर्ता वीजा पर लगने वाले शुल्क में वृद्धि और मैक्सिको से संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश के बंदरगाहों पर लगने वाले शुल्क में वृद्धि करना। 2. देश के कानूनों और सं विधान की रक्षा करना। यह आईसीई की संख्या बढ़ाकर , अवैध अप्रवासियों को वापस भेजकर, अभयारण्य शहरों के लिए वित्त रोक कर आदि द्वारा किया जाएगा। 3. किसी भी अप्रवासन योजना में सभी अमेरिकियों के लिए नौकरी, मजदूरी और सुरक्षा में सुधार होना चाहिए।
	गवर्नर कासिच	आपराधिक अवैध आप्रवासियों को निर्वासित किया जाना चाहिए, लेकिन अन्य को रहने दिया जाएगा।
	मिस क्लिंटन	उन्होंने कहा है कि वे अप्रवासन सुधारों के लिए संघर्ष करेंगी लेकिन लक्षित और मानवीय प्रवर्तन के माध्यम से। वे निजी अप्रवासन निरोध केंद्रों को बंद करेंगी और प्राकृतिककरण को बढ़ावा देंगी।
	सीनेटर सैंडर्स	उन्होंने कहा है कि वे एक मानवीय और सुरक्षित अप्रवासन नीति को लागू करेंगे जो: अमानवीय निर्वासन कार्यक्रम और निरोध केंद्र का खंडन करेगा; ग्यारह मिलियन अनिर्दिष्ट अप्रवासियों को नागरिकता देने के

		लिए एक त्वरित और निष्पक्ष विधायी रोडमैप का मार्ग प्रशस्त करेगा; सुनिश्चित करेगा कि स्थानीय समुदायों का सम्मान करते हुए हमारी सीमा को सुरक्षित रखा जाए; वीजा प्रणाली के आधुनिकीकरण और खराब व्यापार समझौतों के पुनर्लेखन द्वारा आप्रवासियों के भविष्य के प्रवाह को विनियमित करेगा; न्याय तक पहुँच बढ़ाना और अप्रवासियों को अपराधी नहीं ठहराएगा; अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ़ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) एजेंसियों के स्वतंत्र निरीक्षण के लिए मानदंड स्थापित करेगा।
अर्थव्यवस्था	सीनेटर क्रूज़	उन्होंने क्रूज़ सिंपल फ्लैट टैक्स का प्रस्ताव दिया है, सभी आय समूह कर पश्चात आय में दो अंकों की बढ़त देखेंगे। अमेरिकी परिवारों और लोगों के लिए नाटकीय रूप से कर घटाने, कर संहिता को सरलीकृत करने और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने की योजना। आर्थिक समृद्धि लाने के लिए एक अन्य महत्वपूर्ण सुधार योजना है एक ऐसी ऊर्जा योजना को अपनाना जो महान अमेरिकी ऊर्जा पुनर्जागरण को अपनाएगा। उन्होंने कनाडा से यूएस तक कीस्टोन पाइपलाइन को स्वीकार करने का संकल्प लिया है। उन्होंने संघीय सरकार के आकार में कटौती करने की आवश्यकता का भी समर्थन किया है और कहा है कि वे क्रूज़ फ़ाइव फ़ॉर फ़्रीडम प्लान के तहत आईआरएस , शिक्षा विभाग, ऊर्जा विभाग, वाणिज्य विभाग और आवास एवं शहरी विकास विभाग को हटा देंगे।
	श्री ट्रम्प	उन्होंने निम्न के माध्यम से कर सुधारों का प्रस्ताव दिया है: - मध्यम वर्ग के अमेरिकियों के लिए कर राहत , कर का हिसाब करने में कम उलझन के लिए कर संहिता को सरल

		बनाना और सभी को अपना थोड़ा अधिक धन रखने देना। निगमों के उत्क्रमण को हतोत्साहित करके , बड़ी संख्या में रोगजार सृजन करके और अमेरिका को दुबारा विश्व प्रतिस्पर्धी बनाकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाना। राष्ट्रीय ऋण और घाटा ना बढ़ाना , जो पहले से ही काफी अधिक हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि वे चीन और मैक्सिको के साथ व्यापार नीति पर पुनः वार्ता करेंगे।
	गवर्नर कासिच	उनके अभियान ने निजी क्षेत्र में यूएस हाउस बजट समिति के अध्यक्ष और देश के एक सबसे बड़े राज्य के राज्यपाल के रूप में उनके व्यापक अनुभव पर बल दिया है, इस बात की समझ विकसित करने में मदद की है कि अवसर पैदा करने , रोजगार सृजन के सशक्तिकरण और आर्थिक विकास लाने के लिए क्या करने की आवश्यकता है। उन्होंने व्यक्तिगत और व्यावसायिक करों में कटौती करने , कर संहिता को सरल बनाने और नवाचारों की बाधाओं को खत्म करने और नौकरी की बाधाओं को दूर करने के लिए कर प्रणाली की ऊपर से लेकर नीचे तक समीक्षा करने का प्रस्ताव दिया है।
	मिस क्लिंटन	उन्होंने तीन व्यापक विषयों का प्रस्ताव दिया है जिसके तहत वे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करेंगी: काम करने वाले परिवारों का वेतन बढ़ाना और कर राहत प्रदान करना जो उन्हें बढ़ती कीमतों से निपटने में मदद करता है। अच्छे वेतन वाले रोजगार बनाना और हमारी अर्थव्यवस्था और विकास को मजबूत बनाने के लिए बुनियादी संरचनाओं, स्वच्छ ऊर्जा , और वैज्ञानिक और चिकित्सा अनुसंधान में निवेश करके वेतन बढ़ाना। कॉरपोरेट कर की खामियों को दूर करना और सबसे धनी लोगों को अपने हिस्से का भुगतान करने पर मजबूर करना । वे रोजगार पैदा करने वाले दूरदर्शी निवेशों को पुरस्कृत करने के लिए पूंजीगत लाभ कर को संशोधित करेंगी। और वॉल स्ट्रीट को अपने प्रस्तावों के लिए जवाबदेह बनाएंगी।

	सीनेटर सैंडर्स	उनकी मांग है कि धनी और बड़े निगम अपने करों का भुगतान करें। राष्ट्रपति बनने पर, अमेरिका को आय कर देने से बचने के लिए निगमों द्वारा अपने लाभों और रोजगारों को विदेशों में अंतरित करने की प्रक्रिया पर अंकुश कसेंगे। वे संघीय न्यूनतम मजदूरी को यूएस $15 प्रति घंटे तक बढ़ाना चाहते हैं। वे इस दिशा में , पांच वर्षों में $1 ट्रिलियन का निवेश करके और कम से कम 13 मिलियन अमेरिकियों रोजगार देते हुए अवसंरचनाओं के निर्माण में निवेश करना चाहते हैं । उन्होंने चीन के साथ नाफ्टा, काफ्टा और पीएनटीआर जैसी व्यापार नीतियों के संशोधन का प्रस्ताव दिया, जिसकी वजह से मजदूरी घटी और लाखों नौकरियों ख़त्म हुई हैं। वे निष्पक्ष भुगतान अधिनियम का भी समर्थन करते हैं जो महिलाओं को समान नौकरी के लिए समान वेतन कमाने की अनुमति देता है।
राष्ट्रिय सुरक्षा और विदेश नीति	सीनेटर क्रूज़	तीन सिद्धांतों का प्रस्ताव दिया है: - अपने देश को संरक्षित करने के लिए हमें वैश्विक मंच पर नेतृत्व बढ़ाने की आवश्यकता है , ना कि इससे पीछे हटने की। हमारे सहयोगियों और हितों की जमकर रक्षा करना। और प्रत्येक चुनौती को इस नज़रिए से देखना कि अमेरिका के लिए सबसे अच्छा क्या होगा। अमेरिकी सेना के पुनर्निर्माण और सीमाओं को सुरक्षित करके ये कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा है कि वे ईरान डील को निरस्त करेंगे।
	श्री ट्रम्प	कहा है कि वे अमेरिका को मजबूत बनाएंगे और आईएसआईएस के खिलाफ सैन्य ताकतों का उपयोग करने की मंजूरी देंगे।
	गवर्नर कासिच	उन्होंने अपनी नीति को रेखांकित किया है कि वे नाटो और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर पारस्परिक रक्षा कार्रवाई द्वारा आईएसआईएल को पछाड़ेंगे। उनका ये भी मानना है

		कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करने की अमेरिका की अनिच्छा ने रूस और चीन को अपने विस्तारवादी विचारों का निर्माण करने की अनुमति दी है। वे अमेरिका का नेतृत्व बहाल करने के लिए सहयोगियों के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा है कि उनका राष्ट्रपति पद हमारे राष्ट्रीय हितों को बेहतर ढंग से आगे बढ़ाने के लिए इन महत्वपू र्ण संबंधों का पुनर्निर्माण करेगा , जो विश्व में स्थिरता लाएगा। अमेरिका को सुरक्षित बनाने के लिए वे रक्षा में निवेश भी बढ़ाएंगे।
	मिस क्लिंटन	तीन व्यापक नीतियों की रूपरेखा तैयार की है : हमारे मूल मूल्यों की रक्षा करके और सिद्धांत के साथ आगे बढ़कर अमेरिका को सुरक्षित और निरापद रखना। आईएसआईएस और वैश्विक आतंकवाद और इसे संचालित करने वाली विचारधाराओं को हराना। जलवायु परिवर्तन , साइबर खतरों और अत्यधिक संक्रामक बीमारियों जैसी साझा चुनौतियों से निपटने के लिए हमारे गठबंधनों को मजबूत करना और नए संबंधों को मजबूत बनाना।
	सीनेटर सैंडर्स	उन्होंने इस तथ्य पर बल दिया है कि आतंकवादियों को पराजित करने की आवश्यकता है लेकिन यह व्यवस्थित तरीके से किया जाना चाहिए। एकतरफा सैन्य कार्रवाई की नीति से दूर हटना, और कूटनीति पर बल देने की नीति की ओर कदम बढ़ाना , और सुनिश्चित करना कि युद्ध का निर्णय अंतिम उपाय होना चाहिए। सुनिश्चित करना कि अमेरिका जिस किसी भी सैन्य कार्रवाई में शामिल हो, उसका लक्ष्य स्पष्ट हो, दायरे सीमित हो, और जब भी संभव हो , क्षेत्र में अमेरिकी सह योगियों को समर्थन प्रदान करता हो। ग्वांटानैमो खाड़ी बंद , राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी का शासन

		समाप्त करना और यातना देने की प्रथा खत्म करना। वे निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देकर, वैश्विक जलवायु परिवर्तन को संबोधित करके, मानवीय राहत और आर्थिक सहायता प्रदान करके, कानून शासन की रक्षा करके और मानवाधिकारों को बढ़ावा देकर विश्व पर अमेरिकी प्र भाव बढ़ाना चाहते हैं।

संलग्नक 2

संयुक्त राज्य में राष्ट्रपति चुनाव 2016 के उम्मीदवारों के प्रमुख नीति सलाहकार एवं कर्मी

सीनेटर टेड क्रूज़ (रिपब्लिकन)

राष्ट्रीय सुरक्षा - मिस विक्टोरिया कोट्स
मार्च 2013 से सीनेट में सीनेटर क्रूज़ की वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में सेवारत हैं । डिफेंस ऑफ़ डेमोक्रेसीज़ की स्थापना में सहायक, उन्होंने 2012 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान टेक्सास के गवर्नर रिक पेरी को सलाह दी थी और पहले डोनाल्ड रम्सफेल्ड के लिए भी काम किया है।

मुख्य रणनीतिकार (राजनीतिक) - श्री जेसन जॉनसन,
2012 के सीनेट अभियान से सीनेटर क्रूज़ के एक मुख्य रणनीतिकार और सामान्य सलाहकार , ऑस्टिन स्थित जे 2 स्ट्रैटेजीज के मालिक हैं , सीनेटर के राजनीतिक संचालन के टेक्सास विंग के मुख्य रणनीतिकार हैं। उन्होंने पहले अभियान प्रबंधक और फिर टेक्सास अटॉर्नी जनरल (और निर्वाचित गवर्नर) ग्रेग एबॉट के लिए स्टाफ प्रमुख के रूप में काम किया है , और इससे पहले स्टेट सीनेटर टोड स्टेपल्स के सहयोगी थे, टेक्सास रिपब्लिकन राजनीति में एक उभरते हुए सितारे हैं।

श्री डोनाल्ड ट्रम्प (रिपब्लिकन)

राष्ट्रीय सह-अध्यक्ष और नीति सलाहकार - श्री सैम क्लोविस
उन्होंने श्री रिक पेरी के अभियान के लिए आयोवा अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। मोर्निंगसाइड कॉलेज में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं और सिविक एंगेजमेंट के लिए कर्नल बड डे सेंटर के निदेशक भी। 25 वर्ष से वायु सेना के दिग्गज रहे हैं, फुल कर्नल का पद प्राप्त किया है।

गवर्नर जॉन कासिच (रिपब्लिकन)

वरिष्ठ रणनीतिकार - जॉन वीवर
राजनीतिक निर्देशक - जेफ पोलेसोवस्की

मिस हिलेरी क्लिंटन (डेमोक्रेट)

अभियान के अध्यक्ष - श्री जॉन पोडेस्टा
वे अक्टूबर 1998 से जनवरी 2001 तक व्हाइट हाउस में पूर्व राष्ट्रपति क्लिंटन के स्टाफ प्रमुख थे; राष्ट्रपति के सहायक और स्टाफ उप-प्रमुख, 1997-98, राष्ट्रपति के सहायक , स्टाफ सचिव और सरकारी सूचना, गोपनीयता, दूरसंचार सुरक्षा और नियामक नीति के एक वरिष्ठ नीति सलाहकार , जनवरी 1993-95; वे सेंटर फॉर अमेरिकन प्रोग्रेस के संस्था पक हैं, जो एक उदारवादी थिंक टैंक है। उन्होंने इस वर्ष की शुरुआत में राष्ट्रपति ओबामा के सलाहकार के रूप में कदम रखा और इससे पहले अपनी 2008 की संक्रमण टीम का नेतृत्व किया। वे जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर के संकाय में लॉ के विजिटिंग प्रोफेसर हैं। 2008 के अभि यान के बाद ओबामा- बिडेन संक्रमण परियोजना के सह-अध्यक्ष रहे हैं।

अभियान प्रबंधक (दिन-प्रतिदिन के अभियान चलाना) - श्री रॉबी मूक
उन्होंने 2008 में मिस क्लिंटन की राष्ट्रपति दावेदारी के लिए काम किया, और डेमोक्रेटिक प्राइमरी के दौरान नेवादा, ओहियो और इंडियाना में जीत हासिल करने में मदद की और उन्होंने डेमोक्रेटिक कांग्रेस अभियान समिति के कार्यकारी निदेशक के रूप में भी काम किया। उन्होंने 2014 में उनकी मध्यावधि को भी संभाला था।

मुख्य रणनीतिकार - श्री जोएल बेन्सन
राष्ट्रपति ओबामा के लिए मतदान किया है और बेन्सन स्ट्रेटजी ग्रुप (बीएसजी) के संस्थापक साझेदार (2000) और अध्यक्ष हैं ; अमेरिकी सीनेटरों, गवर्नर और मेयर के लिए एक मतदान सर्वेक्षक और रणनीतिकार के रूप में कार्य किया है।

वरिष्ठ नीति सलाहकार - श्री जेक सुलिवन
उपराष्ट्रपति जो बिडेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार। फरवरी 2011 से अमेरिकी विदेश विभाग में नीति नियोजन के निर्देशक; इससे पहले जनवरी 2009 से राज्य सचिव हिलेरी क्लिंटन के स्टाफ उप-प्रमुख

थे। हिलेरी क्लिंटन की 2008 के अभियान में उप नीति निर्देशक थे। सीनेटर एमी क्लोबुचर के मुख्य सलाहकार और वरिष्ठ नीति सलाहकार।

वरिष्ठ नीति सलाहकार - मिस माया हैरिस
सेंटर फॉर अमेरिकन प्रोग्रेस की वरिष्ठ फेलो। लोकतंत्र, अधिकार और न्याय के उपाध्यक्ष के रूप में पांच साल और फोर्ड फाउंडेशन में ट्रस्टी बोर्ड के एक अधिकारी के रूप में काम किया। पॉलिसी लिंक की वरिष्ठ सहयोगी। सैन जोस के लिंकन लॉ स्कूल की डीन और सीईओ।

नीति सलाहकार - एन ओ' लेरी
ऑपोर्चुनिटी इंस्टिट्यूट की सह-संस्थापक। सितम्बर 2011 से सेंटर फॉर नेक्स्ट जनरेशन में बाल एवं परिवार कार्यक्रम की उपाध्यक्ष एवं निर्देशक । सैन फ्रांसिस्को सिटी अटॉर्नी ऑफिस में डिप्टी सिटी अटॉर्नी, 2006-08; व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति की विशेष सहायक, 1999-2000.

श्री बर्नी सैंडर्स (डेमोक्रेट)

वरिष्ठ सलाहकार - श्री टेड डिवाइन
राष्ट्रपति चुनाव अभियानों पर गहरा अनुभव : 2003-04 में सीनेटर जॉन केरी के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के वरिष्ठ सलाहकार और रणनीतिकार। 2000 में गोर-लिबरमैन के अभियान के वरिष्ठ रणनीतिकार; सीनेटर बॉब केरी के 1992 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के अभियान प्रबंधक। 1987-88 में और पतझड़ में, माइक डुकाकिस के अभियान के लिए प्रतिनिधि चयन और क्षेत्र संचालन के निदेशक, वीपी उम्मीदवार सीनेटर लॉयड बेंटसेन के अभिया न प्रबंधक। फ्लोरिडा प्राइमरी में वाल्टर मोंडेल के 1984 अभियान में उप प्रतिनिधि निर्देशक के रूप में काम किया, और पतझड़ में अभियान प्रबंधक के कार्यकारी सहायक के रूप में काम किया। 1980 में राजनीति में शुरुआत की जिसमें उन्होंने जिमी कार्टर के लिए प्रतिनिधि तलाश ने में मदद की। डिवाइन ने विदेशों के अभियानों में भी एक रणनीतिकार और सलाहकार के रूप में काम किया है।

अभियान प्रबंधक - श्री जेफ वीवर
लॉ स्कूल में पढ़ाई करते हुए सीनेटर सैंडर्स के हाउस ऑफिस में एक विधायक सहायक के रूप में काम की शुरुआत की, 2000 के दशक के प्रारंभ में सीनेटर सैंडर्स के हाउस स्टाफ प्रमुख के रूप में काम किया, 2006 में अभियान प्रबंधक के रूप में , और जनवरी 2007 - जुलाई 2009 तक उनके सीनेट के स्टाफ प्रमुख के रूप में कार्य किया।

वरिष्ठ सलाहकार - श्री फिल फरमोंट

उन्होंने पूर्णकालिक अभियान पर जाने से पहले सीनेटर सैंडर्स के सीनेट कार्यालय में पहुँच/ राज्य निर्देशक के रूप में कार्य किया।

***

** डॉ स्तुति बैनर्जी इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स, नई दिल्ली की रिसर्च फेलो हैं।*
इसमें व्यक्त किए गए विचार शोधकर्ता के हैं और परिषद के नहीं।

अंत टिप्पण:

[1] "How America's Presidential Candidates are Chosen," *The Economist*, http://www.economist.com/blogs/economist-explains/2016/01/economist-explains-17?zid=309&ah=80dcf288b8561b012f603b9fd9577f0e, (Accessed on 18 February 2016).

[2] Ibid.

[3] "America's Primary Agenda: 2016 Election Calendar," *The Economist*, http://www.economist.com/blogs/graphicdetail/2016/02/primary-season?zid=309&ah=80dcf288b8561b012f603b9fd9577f0e, (Accessed on 18 February 2016).

[4] ----, "Who's Winning the Presidential Delegate Count?" http://www.bloomberg.com/politics/graphics/2016-delegate-tracker/, (Accessed on 22 April 2016).

[5] Elizabeth Saunders, "Will Foreign Policy be a Major Issue in the 2016 Election? Here's What We Know," *The Washington Post,* 26 January 2016, https://www.washingtonpost.com/news/monkey-cage/wp/2016/01/26/will-foreign-policy-be-a-major-issue-in-the-2016-election-heres-what-we-know/, (accessed on 21 February 2016).